पुस्तक यात्रा" सतत विकास के लिए जमीनी स्तर पर नवाचार

अनिल तिवारी[1], युवराज पडोले[2]
[1]रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.) भारत
[2]मध्य प्रदेश पर्यटन और विकास बोर्ड, भोपाल (म.प्र.) भारत

सारांश

पुस्तक यात्रा पुस्तकों के बारे में जागरूकता अभियान, भारतीय युवाओं में पढ़ने, विचार साझा करने और चर्चा करने की संस्कृति के बारे में जन जागरण फैलाने का प्रयास है । पुस्तक यात्रा आईसेक्ट समूह के विश्वविद्यालयों (रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, डॉ सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, आईसेक्ट विश्वविद्यालय) द्वारा शुरू किया गया एक देशव्यापी अभियान जो गांव, क़स्बा, तहसील तथा जिला स्तर पर किया जाने वाला एक अनोखा और नवाचारी अभियान है। आज के आधुनिक युग में चहुमुखी विकास की बहुत आवश्यकता है, पुस्तक यात्रा से पुस्तकों के बारे में छोटी से छोटी जगहों के छात्रों, युवाओ तथा व्यक्तियों को यह जानने और समझने का अवसर प्रदान करता है जो उनकी पहुँच से बहुत दूर होती है, उन्हें बहुत उत्साहित करती है तथा उनके अंदर की जिज्ञासा को जाग्रत करती है। पुस्तकों से शैक्षिक उद्देश्यों की प्राप्ति में चमत्कारी उपलब्धियों प्राप्त की जा सकती है। प्रस्तुत शोध पत्र में पुस्तक यात्रा में नवाचार में नयापन और नवीनता को प्रतिपादित किया गया है।

I भूमिका

यात्रा एक विचार है जो एक जगह से दूसरे जगह जाने पर ज्ञात होता है, यात्रा के कई रूप हो सकते है विमान, ट्रेन, जलयान, बस, नाव, पैदल। यात्रा के विभिन्न चरणों के बीच विभिन्न स्थानों पर कुछ समय के लिए ठहरा भी जा सकता है। यात्रा कई उद्देश्यों को लेकर की जाती है जैसे पर्यटन, तीर्थ दर्शन, मनोविनोद, अनुसन्धान, व्यापार इत्यादि। यात्रा हर एक इंसान के जीवन में परिवर्तन लाती है चुनौतियों से सामना करना सिखाती है तथा हमें कुछ नया करने के लिए प्रेरित करती है। यात्रा हर एक इंसान के जीवन में परिवर्तन लाती है चुनौतियों से सामना करना सिखाती है तथा हमें कुछ नया करने के लिए प्रेरित करती है। आज अगर हम अपना चौमुखी विकास चाहते है तो हमें विभिन्न तरह की उत्कृष्ट नवाचार गतिविधियों में शामिल होना बहुत जरुरी है। जिस प्रकार शिक्षा एक सामाजिक जरुरत है उसी प्रकार एक अच्छी किताब व्यक्ति विकास में परिवर्तन लाने के लिए बहुत जरुरी है। रुचिकर विषयो, लेखकों तथा कवियों से सम्बंधित किताब अपनी रूचि और चेतना को जाग्रत करती है विद्यार्थियों के जीवन में परिवर्तन और कुछ नया करने का कारण बन सकती है। आज के परिवेश में एक अच्छा मार्गदर्शक और एक अच्छी किताब से सम्बंधित जानकारी पाना बहुत मुश्किल है, हजारो किताबे पत्रिकाएं हर रोज़ प्रकाशित हो रही है लेकिन उचित मार्गदशन और सलाह के बिना हम यह तय नहीं कर पाते है क्या पढ़े किस्से मार्गदर्शन मिलेगा। यात्रा उजियारा लाने का कार्य करती है, मार्गदर्शन प्रदान करती है तथा उचित निर्णय लेने का सम्बल प्रदान करती है, यह कई मायनो में बहुत उपयोगी सिद्ध हो रही है।

II उद्देश्य

(क) पुस्तक यात्रा एक चलता–फिरता पुस्तकालय छात्रों, अभिभावकों, स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को जोड़ने का काम करता है।

(ख) पुस्तक यात्रा का उद्देश्य लोगों को उन बच्चों को किताबें दान करने के लिए प्रेरित करना है, जिनके पास अच्छी किताबें और नियमित पुस्तकालय नहीं हैं।

(ग) पुराने पुस्तकालयों को सहयोग और पुनर्स्थापित करना।

(घ) पांडुलिपियों का संग्रह करवाना दूरस्थ अंचल में लोग अपनी रचनाये किसी कारणवश प्रकाशित नहीं करवा पाते उनको प्रकाशित करवाना।

(च) प्रतिष्ठित व्यक्तियों से पुस्तक यात्रा के माध्यम से छात्रों और जन समूहों से परिचय करवाना जो प्रेरणा स्रोत बने।

(छ) पुस्तक यात्रा के माध्यम से प्रतिष्ठित कवियों, साहित्यकारों और आज़ादी के नायको की पोस्टर प्रदर्शनी स्कूलों में लगवाना तथा उसका स्कूलों को वितरण।

III विषयवस्तु

प्रस्तुत पेपर में रायसेन और रायसेन जिले में की गयी पुस्तक यात्रा को शामिल किया गया है, जिसमे यात्रा कई स्कूल, कॉलेज, लाइब्रेरी तथा विभिन्न स्थलों से होकर गुजरी इसी को शामिल किया गया है । उक्त शोध में छात्रों के समूहों, शिक्षकों तथा उस क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्तियों के विचारो को लिया गया है।

यात्रा स्वयं की पहचान बनाने के लिए, व्यक्तित्व को निखारने के लिए, सामाजिक दायरा बढ़ाने, आत्मा विश्वास में वृद्धि तथा नई संस्कृति को जानने और समझने का अवसर प्रदान करती है, यात्रा आत्मा– जागरूकता और समस्या के सुलझाने का कौशल प्रदान करती है । यात्रा के कई माध्यम हो सकते है तथा प्रकार भी कई हो सकते है।

"जिंदगी जीने का असली मज़ा यात्रा में ही है"

पुस्तकालय एक सार्वजनिक संस्था है, जिसका कार्य पुस्तकों के संग्रह की देखभाल व रखरखाव करना तथा उनको पाठकों की आवश्यकता के अनुसार उपलब्ध कराना है पुस्तकालय में हम ज्ञान को व्यापक बनाने के साधन पाठ्य पुस्तकों के अलावा अन्य संबंधित पुस्तकें पत्र–पत्रिकाओं आदि की व्यवस्था करना। शिक्षकों के लिए उच्च स्तरीय साहित्य की व्यवस्था करना। छात्रों के लिए शब्द भंडार बढ़ाने के लिए शब्दकोश तथा अतिरिक्त ज्ञान बढ़ाने के लिए संदर्भ पुस्तके जुटाना प्रमुख उद्देश्य होता है ।

जिस प्रकार किसी भी प्राणी का सम्पूर्ण शरीर हृदय पर आधारित होता है उसी प्रकार मनुष्य के जीवन में ज्ञान का अर्जित करना महत्वपूर्ण होता है जिसके लिए पुस्तकों का होना जरुरी होता है। एक अच्छी पुस्तक जीवन जीने की कला सिखाती है। आज के परिवेश में पुस्तकालय हमारे देश और प्रदेश की बहुत बड़ी जरुरत है लेकिन इसकी उपलब्धता अभी भी नहीं हो पाई है।

सार्वजनिक पुस्तकालयों की संख्या

महाराष्ट्र	12191
केरल	8415
कर्नाटक	6798
राजस्थान	323
बिहार	192
गोवा	136
उत्तराखंड	47
मध्यप्रदेश	42

पुस्तक यात्रा पुस्तकों के प्रति उत्सुकता और जागरूकता लाने का जरिया बना, प्रत्येक जगह स्कूली छात्र हो, शिक्षक हो या अन्य जिसने भी देखा वह दौड़ कर आया और अपनी पुस्तकों के प्रति रूचि या नया क्या है जानने के लिए उत्सुकता दिखाई हर एक ने अपनी रूचि जरुरत और इच्छा व्यक्त की जिससे प्रतीत हुआ की कितनी जरुरत है लोगो को तलाश है कोई कुछ बनना चाहता है ,कोई कुछ करना चाहता है, कोई बहुत कुछ समझना चाहता है लेकिन कैसे अगर अच्छी पुस्तके और पुस्तकालय हो तो बहुत कुछ पाया जाना सरल हो जाता है।

पुस्तक यात्रा में पुस्तके भेट स्वरुप दी गयी, लोगो से भी पुस्तके भेट स्वरुप में देने के लिए प्रेरित किया गया जिससे बड़ी संख्या में लोग आये और इस पहल का हिस्सा बने, पुस्तकालयों को पुनर्स्थापित करने और वहाँ अच्छी पुस्तके पढ़ने के लिए उपलब्ध हो इसके लिए भी पुस्तक यात्रा प्रेरणा बना। बड़ी संख्या में लोगो द्वारा अपनी पाण्डुलिपि उपलब्ध करवाई जो प्रकाशित नहीं हुई या नहीं करवा सकते थे उन सभी प्रकाशन हो और लोगो तक सरलता से पहुँच सके इसका भी जरिया बना।

तालिका

क्रमांक	स्थान	उपस्थित छात्र समूह तथा जन समूह
1	रायसेन	300
2	गैरतगंज	180
3	बेगमगंज	210
4	सिलवानी	170
5	बम्होरी	280
6	उदयपुरा	430
7	बाड़ी	155
8	बरेली	260
9	ओबेदुल्लागंज	280

तालिका में लगभग 2200 छात्र अलग–अलग जगह से पुस्तक यात्रा में शामिल हुए दिया गया है। जिनका पुस्तको के प्रति रूचि, जागरूकता, उत्साह और नया जानने की ललक को जानने और समझने का अवसर मिलता है।

IV परिणाम और चर्चा

पुस्तक यात्रा बहुत ही सकारात्मकता से प्रारम्भ हुई और अच्छे उद्देश्य से शुरुआत हुई जिसमे उपस्थित भीड़ और जनसमुदाय ने बहुत ही सराहा साथ ही पुस्तके भेट करने की आदत को लोगो ने अपनाने का संकल्प लिया, पाण्डुलियो को प्रकाशन के लिए लोगो द्वारा दिया जाना, पुस्तक यात्रा को वर्ष में कई बार किये जाने की आवश्यकता को लोगो द्वारा महसूस किया जाना। पुस्तकालयो को पुनर्जीवित करने और उनमे अधिक से अधिक जानकारी भरी पुस्तके उपलब्ध हो की आवश्यकता को जोर दिया गया। पुस्तक यात्रा का सुदूर अंचलो में भी जाना वहाँ के लिए वरदान जैसा प्रतीत हुआ। आज के परिवेश और माहौल में अच्छी और कौनसी पुस्तके पढ़ने चाहिए विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया जाना बहुत उपयोगी साबित हुआ।

V निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध द्वारा ज्ञात होता है कि पुस्तक महत्वपूर्ण जरुरत है, अब सभी क्षेत्र के लोगो द्वारा इसमें रूचि दिखाई जाने लगी है और साथ ही लोग भी आतुर है ज्यादा जानने और पढ़ने में जिसका माध्यम पुस्तक यात्रा बना और लोगो में पुस्तक भेट करने की प्रवर्ति पैदा करने का कारक भी बना इस यात्रा की बहुत सराहना हुई और पुस्तकालयों के विकास को प्रोत्साहन मिला जो यात्रा की सफलता को दर्शाता है, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पुस्तक यात्रा समाज, प्रदेश और देश को आइना दिखाने का कार्य कर रही है।

संदर्भ

[1] https://en.wikipedia.org/wiki/List_of_libraries_in_India